हेतु आईन्दा [illegible]

05/8/22

पत्रावली पेश हुई। वादीगण वकील अनु०।
न्यायालय समय में वादीगण वकील एवं वादीगण
को एक2 कर तीन बार आवाज लगाई गई।
न तो वादीगण उप०। न ही वादीगण वकील
उप०। अतः वादीगण का वाद अदम पैरवी अदम
हाजरी में खारीज किया [illegible] पत्रावली फैसल
शुमार होकर दाखिल [illegible] के
जमा हो।

Signature Not Verified

Digitally signed by Ramji Bhai Kalbi
Date: 2022.08.30 18:42:00 IST
Reason: SelfAttested